

ऐसी हो परीक्षा व्यवस्था, जिस पर सबका हो विश्वास

कुलपति ने शैक्षिक सुधार को लेकर की बैठक | महाविद्यालय नैक मूल्यांकन प्रक्रिया को अवश्य अपनाएँ : कुलसचिव

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : परीक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिस पर सबका विश्वास हो। सभी महाविद्यालय परीक्षा व्यवस्था का पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संपन्न कराए। इससे शिक्षा में अवश्यक सुधार आएगा।

इससे विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की छवि बढ़ेगी। ये बातें शुक्रवार को डॉ. राममोहन लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजेन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काफी परिवर्तन हो रहा है। उसमें हम सभी को अप्रेग्न करना होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजेन्द्र सिंह ने कहीं। वह स्वामी विवेकानंद सभागार में संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक सुधार के संबंध में प्राचार्य एवं प्रबंधकों की आवेदित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

अपने अध्यक्षीय उद्घोषन में कुलपति



अवधि विवि में परीक्षा प्रणाली को लेकर प्राचार्यों और प्रबंधकों के साथ बैठक करते कुलपति डॉ. विजेन्द्र सिंह।

ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काफी परिवर्तन हो रहा है। उसमें हम सभी को अप्रेग्न करना होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजेन्द्र सिंह ने कहीं। वह स्वामी विवेकानंद सभागार में संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक सुधार के संबंध में प्राचार्य एवं प्रबंधकों की आवेदित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

अपने अध्यक्षीय उद्घोषन में कुलपति

अनुरूप रोजगारपक्ष शिक्षा व्यवस्था को अपनाने पर जो देते हुए कहा कि सभी महाविद्यालय सुनिश्चित करें कि कक्षा में छात्रों की उपरिष्ठित 75% अवश्य हो, अन्यथा उसे परीक्षा में सामिल होने से विचित कर दिया जाएगा। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि शैक्षिक गुणवत्ता अनुसुन्धान परीक्षानिक प्राचार्यों के लिए महाविद्यालय नैक मूल्यांकन प्रक्रिया को अवश्य अपनाएँ। कुलानुशासक रिकॉर्डर युक्त कैमरे प्रयुक्त किए जाएं। साथ ही मानकों के अनुरूप अनुसुन्धान प्राचार्यों को अवश्य अपनाएँ। कुलानुशासक रिकॉर्डर युक्त कैमरे प्रयुक्त किए जाएं।

कुलपति ने एनईपी पाठ्यक्रम के

ही शिकायों का समाधान रखि मालवीय ने किया। आइक्यौल्सी के निदेशक प्रो. हिमंशु शेखर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि नैक मूल्यांकन में अच्छे स्स्थानों को अवश्य जाना चाहिए। इसे विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहायता मिलेगी। बैठक के संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवधि पर वित्त अधिकारी पुणेन्द्र शुक्ल, साकार परीक्षा प्राचार्य मिश्र ने कहा कि एनईपी की मूल भावना शिक्षा व्यवस्थायेक एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बने। बैठक में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एवं निर्बाध पठन-पाठन की व्यवस्था महाविद्यालय सुनिश्चित करें।

कुलपति ने एनईपी पाठ्यक्रम के

ही शिकायों का समाधान रखि मालवीय ने किया। आइक्यौल्सी के निदेशक प्रो. हिमंशु शेखर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि नैक मूल्यांकन में अच्छे स्स्थानों को अवश्य जाना चाहिए। इसे विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहायता मिलेगी। बैठक के संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवधि पर वित्त अधिकारी पुणेन्द्र शुक्ल, साकार परीक्षा प्राचार्य मिश्र ने कहा कि एनईपी की मूल भावना शिक्षा व्यवस्थायेक एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बने। बैठक में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एवं निर्बाध पठन-पाठन की व्यवस्था महाविद्यालय सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए महाविद्यालय नैक मूल्यांकन प्रक्रिया को अवश्य अपनाएँ। कुलानुशासक रिकॉर्डर युक्त कैमरे प्रयुक्त किए जाएं। एसएस प्राचार्य मिश्र ने कहा कि एनईपी की मूल भावना शिक्षा व्यवस्थायेक एवं प्रबंधकों के साथ ही मानकों के अनुरूप अनुसुन्धान प्राचार्यों की आवश्यकता होती है। एसएस प्राचार्य मिश्र ने कहा कि एनईपी की मूल भावना शिक्षा व्यवस्थायेक एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बने। बैठक में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एवं निर्बाध पठन-पाठन की व्यवस्था महाविद्यालय सुनिश्चित करें।

96.21 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंचा गणना प्रपत्र

जिला संवाददाता, अंडेकरनगर।

बैंलओं द्वारा गणना प्रपत्र वितरित किया जा चुका है। विशेष पुनरीक्षण अधिकारी के तहत 96.21 प्रतिशत मतदाताओं तक गणना प्रपत्र किया गया है। 13 नवंबर तक जनपद में 59 हजार 745 मतदाताओं से गणना प्रपत्र एकत्रित किया जा चुका है तथा उसके डिजिटाइजेशन के तहत बैंलओं द्वारा गणना प्रपत्र में वर्ष-2003 और वर्ष-2025 की मतदाताओं की जारी है। मतदाताओं के माध्यम से कोई जारी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए महाविद्यालय नैक मूल्यांकन प्रक्रिया को अवश्य अपनाएँ। कुलानुशासक रिकॉर्डर युक्त कैमरे प्रयुक्त किए जाएं। एसएस प्राचार्य मिश्र ने कहा कि एनईपी की मूल भावना शिक्षा व्यवस्थायेक एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बने। बैठक में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एवं निर्बाध पठन-पाठन की व्यवस्था महाविद्यालय सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए महाविद्यालय नैक मूल्यांकन प्रक्रिया को अवश्य अपनाएँ। कुलानुशासक रिकॉर्डर युक्त कैमरे प्रयुक्त किए जाएं। एसएस प्राचार्य मिश्र ने कहा कि एनईपी की मूल भावना शिक्षा व्यवस्थायेक एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बने। बैठक में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एवं निर्बाध पठन-पाठन की व्यवस्था महाविद्यालय सुनिश्चित करें।

विद्यालय की अपलोड सूचनाओं का होगा भौतिक सत्यापन

जिला संवाददाता, अंडेकरनगर।

अमृत विचार : बोर्ड परीक्षाओं का लिए विद्यालयों द्वारा अपलोड की गई आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन अब जिलाधिकारी द्वारा गठित तहसील स्तरीय समितियां करेंगी।

17 नवंबर तक पूरी करनी होगी परीक्षा



प्रतीकार्तक फोटो

जलालपुर में उप जिलाधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए संबद्ध करने की बातों को बताया गया है। संबद्ध कुमार तहसील दर्शक अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 17 नवंबर तक की समय सीमितीयों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए संबद्ध करने की बातों को बताया गया है। संबद्ध कुमार तहसील दर्शक अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 17 नवंबर तक की समय सीमितीयों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए संबद्ध करने की बातों को बताया गया है। संबद्ध कुमार तहसील दर्शक अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 17 नवंबर तक की समय सीमितीयों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए संबद्ध करने की बातों को बताया गया है। संबद्ध कुमार तहसील दर्शक अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 17 नवंबर तक की समय सीमितीयों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए संबद्ध करने की बातों को बताया गया है। संबद्ध कुमार तहसील दर्शक अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 17 नवंबर तक की समय सीमितीयों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए संबद्ध करने की बातों को बताया गया है। संबद्ध कुमार तहसील दर्शक अधिकारी नैक मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए 17 नवंबर तक की समय सीमितीयों को बताया गया है। अपनी आधारभूत सूचनाओं का सत्यापन करने की बातों को बताया गया है। अपनी आधारभूत स

शनिवार, 15 नवंबर 2025

उच्च शिक्षित आतंकी



हम उस बचे को आसानी से माफ कर सकते हैं, जो अंधेरे से डरता है। जीवन की असली त्रासदी तब होती है, जब लोग प्रकाश से डरते हैं।
-सुकरात, दाशनिक

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदेंवेन पटेल की यह चिंता कि पढ़े-लिखे लोग भी अब आतंकवाद की ओर आकर्षित हो रहे हैं, केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली, सामाजिक बातचारण और डिजिटल युग के सम्प्रभुत्व संकेत है। यह चिंता इसलिए भी उचित है, क्योंकि पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ ईज़ानियरिंग, निकिल्सा, विज्ञान और उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े युवाओं ने कट्टरवाहा या हिंसक विचारधाराओं का रास्ता अपनाया। प्रनन् यह है कि जिस शिक्षा से ताकिंकता, विवेक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवता की अवधि की जाती है, वह क्यों कई बार इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाती? शिक्षा का लक्ष्य कानूनी से भी डिग्री देना है, दृष्टिकोण नहीं। हम गुणात्मक स्तर, नैतिक शिक्षा, सैवेशिक प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक मानविकता और सामाजिक जिम्मेदारी को पालयक्रम के केंद्र में नहीं रख पाए हैं, सो मूल्य-तत्त्व पहाड़ को दोषी ठहराना उचित नहीं। दूष उस सामाजिक और वैचारिक बातचारण में है, जिसमें विद्यार्थी पनपता है। यदि घर, समुदाय, विश्वविद्यालय परिसर और डिजिटल स्पेस लगातार किसी विशेष विचारधारा, भय, असुरक्षा या शत्रु-कल्पना को पोषित कर रहे हो, तो शिक्षा का तटस्थ ज्ञान उसके सामने कमज़ोर पड़ने से अतंत ऊपरांग, तकनीकी दक्ष और सफल पेशेवर भी कट्टर विचारों के शिक्षकों में फैसले जाते हैं।

विज्ञान पहाड़ा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखना दो अलग बातें हैं। यदि सामाजिक परिवेश किसी व्यक्ति को भय, अस्तित्व या 'दूसरे' के प्रति नफरत से भर दे, तो पढ़ा-लिखा भी भवनात्मक जाल में फैसले जाता है। डिजिटल दुनिया की भास्माक सूचनाएं, पढ़ी-व्योरांयों तथा लक्षित दुश्चार युवा दिमागों का लगातार अपावित कर रही है। संशल नीटियों पर आधारित दुश्चार अपने लाभ हेतु व्यक्ति को उसी सामग्री की ओर धकेलता है, जो उसकी मानविकता को भाए। उसके गुरुसे, असंतोष और पूर्वांगों को भजूत करे। सूचना की अधिकता और ज्ञान की कमी अक्सर विवेक को कुंद कर दीती है। राष्ट्रभक्ति और मानवीयता किसी डिग्री का अनिवार्य उप-उत्पाद नहीं है, वे संस्कार, संवाद और विवेक से विकसित होती इसलिए एक कुशल पेशेवर, डॉक्टर, ईज़ानियर या शोधकर्ता स्वाभाविक रूप से देशपक्षत, ताकिंक और उदार विचारों वाला नारायण भी होगा इसकी कोई गारंटी नहीं। सरकार और समाज को इसके लिए मिलकर प्रयास करना होगा। शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सैवेशिक पक्के नारायणिक और सामाजिक नैतिकता अनिवार्य: शामिल हो। कट्टरवाहा रोकने में परिवार, समुदाय, शक्तिकार्यकारी संस्थानों समीकृत शूमिका किया जाए। युवाओं को रोजगार, अवसर और सकारात्मक उद्देश्य उपलब्ध कराए जाएं, क्योंकि बेरोजगारी कट्टरवाहा की उर्वर भूमि है। विद्यालय-महाविद्यालयों में इस तरह का भी पालयक्रम हो, जो विभिन्न सामग्रीयों द्वारा दुश्चार को समझने में सक्षम बनाए। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर भास्माक सामग्री और नफरत फैलाने वाले तत्रों पर कठोर निरानी हो। राज्यपाल की चिंता इसलिए समीक्षान है, क्योंकि आतंकवाद का अवधारणा और समाज को उद्देश्य उपलब्ध कराए जाएं, क्योंकि बेरोजगारी कट्टरवाहा की उर्वर भूमि है। विद्यालय-महाविद्यालयों में इस तरह का भी पालयक्रम हो, जो विभिन्न सामग्रीयों द्वारा दुश्चार को समझने में सक्षम बनाए। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर भास्माक सामग्री और नफरत फैलाने वाले तत्रों पर कठोर निरानी हो। राज्यपाल की चिंता इसलिए समीक्षान है, क्योंकि आतंकवाद और समाज को उद्देश्य उपलब्ध कराए जाएं, क्योंकि बेरोजगारी कट्टरवाहा की उर्वर भूमि है। इसे रोकना केवल सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं, यह समाज, शिक्षा और शासन तीनों की साझा जिम्मेदारी है।

प्रसंगवद्धा

आत्मनिर्भरता और सामाजिक अस्तित्व के प्रतीक बिरसा मुंडा

हमारा स्वतंत्रता संग्राम देश के उन असंख्य बलिदानियों के त्याग और समर्पण की कहानी बायं करता है, जिन्होंने अपना जीवन, घर-परिवार, सुख-चैन और जवानी सब कुछ देश के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे ही महान क्रांतिकारियों में एक नाम है भास्मान विश्वासा मुंडा, जो उनकी 150 वीं जयंती के अवसर पर आवश्यक है कि हम राष्ट्र प्रेम, सामाजिक अस्तित्व, प्रकृति संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता के उनके संदर्भों को जन-जनक तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विश्वासा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, असंख्यानिक प्रकृति संरक्षण के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला ब्रिटेन्डेसी, वर्तमान में झारखण्ड के लोहियातू गांव, जिला खुंडी में मुंडा जन्मजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभियां से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई विश्वासी उड़ा रखा था। और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज के धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विश्वासा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, असंख्यानिक प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला ब्रिटेन्डेसी, वर्तमान में झारखण्ड के लोहियातू गांव, जिला खुंडी में मुंडा जन्मजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभियां से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई विश्वासी उड़ा रखा था। और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज के धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विश्वासा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, असंख्यानिक प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला ब्रिटेन्डेसी, वर्तमान में झारखण्ड के लोहियातू गांव, जिला खुंडी में मुंडा जन्मजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभियां से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई विश्वासी उड़ा रखा था। और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज के धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विश्वासा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, असंख्यानिक प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला ब्रिटेन्डेसी, वर्तमान में झारखण्ड के लोहियातू गांव, जिला खुंडी में मुंडा जन्मजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभियां से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई विश्वासी उड़ा रखा था। और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज के धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

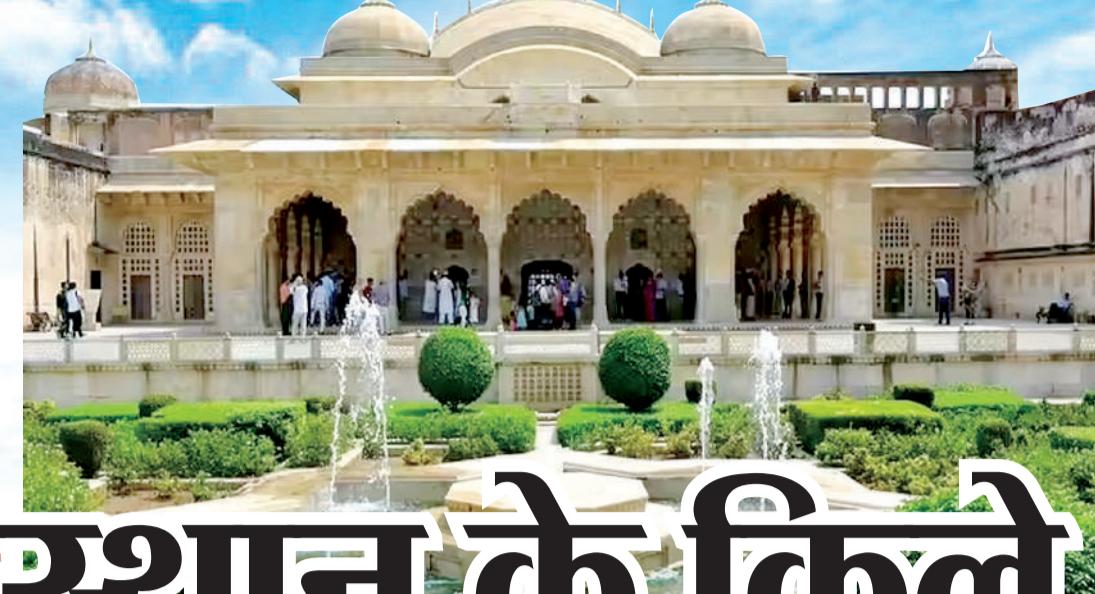
भगवान विश्वासा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, असंख्यानिक प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला ब्रिटेन्डेसी, वर्तमान में झारखण्ड के लोहियातू गांव, जिला खुंडी में मुंडा जन्मजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभियां से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई विश्वासी उड़ा रखा था। और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज के धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विश्वासा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, असंख्यानिक प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला ब्रिटेन्डेसी, वर्तमान में झारखण्ड के लोहियातू गांव, जिला खुंडी में मुंडा जन्मजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभियां से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई विश्वासी उड़ा रखा था। और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज के धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ह

ए

जस्थान अपनी समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, जिसमें भव्य किले और महल, अद्वितीय कलाकृतियां, हस्तशिल्प और 'धूमर' व 'कालबेलिया' जैसे प्रसिद्ध लोक नृत्य इसे पूरी दुनिया में चर्चित करते हैं। यहां के किले स्थापत्य भव्यता, जटिल नक्काशी और विभिन्न स्थापत्य शैलियों के मिश्रण के लिए भी जाने जाते हैं। यहां कई ऐसे किले हैं, जो भारत नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों के बीच खासे प्रसिद्ध हैं। उन्हें देखने के लिए हर मौसम में विदेशों से बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं। राजस्थान के जैसलमेर शहर में एक किला है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र है। त्रिकुटा हिल पर बने जैसलमेर किला अपनी बेहतरीन संरचना के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। अगर आप धूमने के शौकीन हैं, तो इस किले को देखने जरूर जाएं।

डॉ. विकास शुक्ला
कानपुर

राजस्थान के किले जीवंत संस्कृति की विरासत

1156 में स्थापित हुआ किला

जैसलमेर किले की स्थापना वर्ष 1156 में भाटी राजपूत महाराजा रावल जैसल ने कराया था। 1294 के आसपास इस साम्राज्य पर अलाउद्दीन खिलजी ने अक्रमण किया था और उसके सेना ने इसे करीब ना साल तक घेर कर रखा। 1558 के आसपास रावल लूनाराज के शासन के दीरान, विले पर अमीर अली ने झला किया था। इसके बाद ही तकालीन महाराजा ने अपनी पुरी की शादी अकबर से कर दी थी। मुलानों का संरक्षण मिलने से किला बच गया था। यह किला दुनिया के सबसे बड़े रेशेतकान में स्थापित किला है। यह राजस्थान का धूमर अति प्राचीन किला भी है। यह किला 1762 तक मुगलों के नियत्रण में रहा, उसके बाद महारावल मूलराज ने विले पर नियत्रण कर लिया। दिसंबर 1818 में ईरट इंडिया कंपनी और महारावल मूलराज के बीच संधि हुई थी। इसमें तय हुआ था कि किले का नियत्रण मूलराज के पास हो रहा। 1820 में मूलराज की पूर्युता के बाद, उनके पोते गज सिंह किले का नियत्रण विरासत में भिन्ना था।

■ पीले बलुआ पत्थर से निर्मित यह किला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। पर्यटक विशेष रूप से यहां सुर्यास्त देखने आते हैं। सूर्य की किरणें पूरे किले की शोभा बढ़ाती हैं। पीली दीवारें, सूरज की किरणें से मानों नहा सी जाती हैं। इस खूबसूरती के कारण ही इसे सोना किला या स्वर्ण किला भी कहा जाता है। यहां कुछ हवलियां भी हैं, जिनमें पटवाओं की हवेली, नथमल की हवेली, सलाम सिंह की हवेली शामिल हैं। इस किले में राजपुताना और इस्लामी शैली एक साथ दिखती है।

■ उदयपुर का किला- उदयपुर का किला अब सिर्फ पैलेस के नाम से जाना जाता है। यह पिछोला झील के किनारे स्थित है। इसका निर्माण 16 वीं शताब्दी में राजा उदयसिंह द्वितीय ने कराया था। इसके अंदर कई भव्य महल व एक भगवान जगदीश का मंदिर भी है।

■ चित्तोड़ किला- ऐतिहासिक किले का निर्माण मौर्य वंश के राजा चित्रांगद ने सातवीं शताब्दी में कराया था। इस किले पर मौर्य, गुहिलवंश, परमार, सोलंकी आदि अनेक वंशों ने शासन किया। 1174 ई. के आसपास पुनः गुहिलवंशियों ने इस पर अधिकार कर लिया था। इस किले को 2013 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान दिया गया है।

■ मेहरानगढ़ किला- ऊधपुर में स्थित मेहरानगढ़ किला 124 मीटर की चार्चाएँ एक पहाड़ी पर स्थित है। इसकी नींव जोधपुर के 15 वें शासक राव जोधा ने 1459 में रखी थी। बाद महाराजा जसवंत

सिंह ने 1638 से 78 के मध्य किले के निर्माण कार्य को पूरा करवाया। 10 किलोमीटर लंबी दीवार किले को घेरे हुए हैं। किले के अंदर कई भव्य महल रिस्तहाल के नाम से जाना जाता है।

■ सिरिया पैलेस- महाराजा सवाई जय सिंह ने 1729 से 1732 के मध्य किले का निर्माण कराया था, अब इस सिरिया पैलेस के रूप में जाना जाता है। यह एक राजस्थानी व मुगल शैलियों की मिश्रित रचना है। यहां धूमर के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ उम्मेद भवन- उम्मेद भवन राजस्थान की शान है। इसका निर्माण राठोर राजवंश के शासक राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। इसके निर्माण की योजना



■ हवा महल- जयपुर स्थित जल महल के समीप ही हवा महल है। 799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने इसकी स्थापना कराई थी। यह एक पांच मंजिला इमारत है। इसका आकार मधुमक्खी के छते की तरह दिखता है।

तैयार करने के लिए वास्तुकार हेनरी लोनचेस्टर को चुना गया था। महल के तीन हिस्से हैं। एक में उम्मेद होटल है, तो दूसरा हिस्सा शाही परिवार के पास है, जबकि तीसरे हिस्से में संग्रहालय स्थापित है।

■ राणथंभौर किला- सवाई माधोपुर में स्थित राणथंभौर किला की स्थापना राजा सज्जन वीर सिंह ने कराया था। दो पहाड़ियों के मध्य में स्थित यह किला अपनी वास्तुकाल के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के शासनकाल 1282-1301 में रही। 1301 में इस किले पर अलाउद्दीन खिलजी ने कब्जा कर लिया। इसके पश्चात 18 वीं सदी के मध्य तक इस पर मुगलों

का अधिकार रहा।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ उम्मेद भवन- उम्मेद भवन राजस्थान की शान है। इसका निर्माण राठोर राजवंश के शासक राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। इसके निर्माण की योजना

है। यहां धूमर के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ उम्मेद भवन- उम्मेद भवन राजस्थान की शान है। इसका निर्माण राठोर राजवंश के शासक राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। इसके निर्माण की योजना

है। यहां धूमर के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुलाल वास्तुकाल का मध्य से अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में

बाजार	सेसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,562.78	25,910
बढ़त	84.11	30.90
प्रतिशत में	0.10	0.12

सोना 1,29,400 प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,64,800 प्रति किलो

बिजिनेस ब्रीफ

अदाणी समूह असम में 63,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा

ईदली। अदाणी समूह असम में दो प्रमुख बिजली परियोजनाओं के निमित्त केलए लिगभग 63,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इसमें बड़ौपूर्वक का संयंत्र और नीती पैप-भैडार आवारित परियोजना भी परियोजना शामिल है। समूह ने एक बात में कहा कि उस असम में दो बड़ी बिजली परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार से परियोजना आवंटन पत्र मिला हुआ है। अदाणी पाराल लिमिटेड ने अपनी मॉडल के नए अत्याधिक तापीय बिजली संयंत्र के निमित्त के लिए नामभग 48,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

भारत बिस्कॉफ के लिए बन सकता है शीर्ष बाजार : लोटस बेकरीज

ईदली। बेलियम की बहुग्राहीय 'स्ट्रेंग फूड' कंपनी लोटस बेकरीज को उम्मीद है कि आपने वाले वर्षों में भारत उसके शीर्ष बाजारों में से एक होगा। उपर्याप्त ने मॉडलेज के साथ साझेदारी में अपनी 'बिस्कॉफ कुकु' ब्रांडिंग विवर को लिए लिगभग 1,21% प्रतिशत रही।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपी आई) आधारित मुद्रास्फीति चिह्निले साल सितंबर में 0.13 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 0.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने बायान में कहा, अक्टूबर 2025 में मुद्रास्फीति में गिरावट 0.13 अंक तक जारी की। मूल्य वजह खाद्य पादार्थों, कच्चे पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, बिजली, खनिज तेलों और मूल्य धातुओं के विनियोग आदि की कीमतों में नरमी रही। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के अनुमान है कि नवंबर 2025 में थोक मुद्रास्फीति में गिरावट आई जबकि सितंबर में गैर-जारी कीमत 24.41 प्रतिशत थी। वालों में अक्टूबर में 16.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और यांत्र में गैर-क्रम्भग 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनियोग तउदाहों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईदन अंप बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुई जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।



सितंबर की तुलना में लिगभग 3% ज्यादा गिरावट

थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महगाई दर सितंबर में 5.22 प्रतिशत के मुकाबले अक्टूबर में 8.31 घटी। इयान, आलू, सजियों और दालों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सियायों की महगाई दर में अक्टूबर में 34.97 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि सितंबर में गैर-जारी कीमत 24.41 प्रतिशत थी। वालों में अक्टूबर में 16.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और यांत्र में गैर-क्रम्भग 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनियोग तउदाहों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईदन अंप बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुई जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

मूल्यांकन में अपेक्षा के अनुरूप मुद्रास्फीति में गिरावट आई है।

कर दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी की दरों में 22 सितंबर से प्रभावी कटौती की गई जिसके तहत चार-स्तरीय कर ढाँचे

को घटाकर पांच और 18 प्रतिशत की दो श्रेणी में लाया गया। कर कटौती से वस्तुओं की कीमतों का गम हुई तथा पिछले वर्ष की अनुकूल मुद्रास्फीति आधार के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों में कमी आई। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 0.25 प्रतिशत के सर्वकालिक निम्न स्तर पर रही जो जीएसटी दोरों में कटौती और पिछले साल के उच्च आधार के कारण कम हुई। सितंबर में खुदरा या उपयोगी का मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.44 प्रतिशत थी। यह अंकों के पिछले सितंबर से 24.41 प्रतिशत थी। वालों में अक्टूबर में 16.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और यांत्र में गैर-क्रम्भग 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनियोग तउदाहों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईदन अंप बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुई जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

मूल्यांकन में अपेक्षा के अनुरूप मुद्रास्फीति में गिरावट आई है।

कर दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी दोरों में कटौती की गई जिसके तहत चार-स्तरीय कर ढाँचे

थोक मुद्रास्फीति अक्टूबर में 1.21% गिरकर 27 माह के निचले स्तर पर

दालों और सब्जियों के साथ विनियोग वस्तुओं की कीमतों में कमी का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

दालों और सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के साथ इंदिल के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से थोक मुद्रास्फीति में अक्टूबर में गिरावट दर्ज की गई और यह 27 महीने के निचले स्तर स्तर्नु से नीचे 1.21% प्रतिशत रही।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपी आई) आधारित मुद्रास्फीति चिह्निले साल सितंबर में 0.13 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 0.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने बायान में कहा, अक्टूबर 2025 में मुद्रास्फीति में गिरावट दर्ज की गई। सियायों की महगाई दर में अक्टूबर में 34.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और यांत्र में गैर-क्रम्भग 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनियोग तउदाहों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईदन अंप बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुई जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

मूल्यांकन में अपेक्षा के अनुरूप मुद्रास्फीति में गिरावट आई है।

कर दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी दोरों में कटौती की गई जिसके तहत चार-स्तरीय कर ढाँचे

को घटाकर पांच और 18 प्रतिशत की दो श्रेणी में लाया गया। कर कटौती से वस्तुओं की कीमतों का गम हुई तथा पिछले वर्ष की अनुकूल मुद्रास्फीति आधार के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों में कमी आई। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 0.25 प्रतिशत के सर्वकालिक निम्न स्तर पर रही जो जीएसटी दोरों में कटौती और पिछले साल के उच्च आधार के कारण कम हुई। सितंबर में खुदरा या उपयोगी का मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.44 प्रतिशत थी। यह अंकों के पिछले सितंबर से 24.41 प्रतिशत थी। वालों में अक्टूबर में 16.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और यांत्र में गैर-क्रम्भग 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनियोग तउदाहों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईदन अंप बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुई जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

मूल्यांकन में अपेक्षा के अनुरूप मुद्रास्फीति में गिरावट आई है।

कर दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी दोरों में कटौती की गई जिसके तहत चार-स्तरीय कर ढाँचे

को घटाकर पांच और 18 प्रतिशत की दो श्रेणी में लाया गया। कर कटौती से वस्तुओं की कीमतों का गम हुई तथा पिछले वर्ष की अनुकूल मुद्रास्फीति आधार के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों में कमी आई। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 0.25 प्रतिशत के सर्वकालिक निम्न स्तर पर रही जो जीएसटी दोरों में कटौती और पिछले साल के उच्च आधार के कारण कम हुई। सितंबर में खुदरा या उपयोगी का मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.44 प्रतिशत थी। यह अंकों के पिछले सितंबर से 24.41 प्रतिशत थी। वालों में अक्टूबर में 16.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और यांत्र में गैर-क्रम्भग 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनियोग तउदाहों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईदन अंप बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुई जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

मूल्यांकन में अपेक्षा के अनुरूप मुद्रास्फीति में गिरावट आई है।

कर दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी दोरों में कटौती की गई जिसके तहत चार-स्तरीय कर ढाँचे

को घटाकर पांच और 18 प्रतिशत की दो श्रेणी में लाया गया। कर कटौती से वस्तुओं की कीमतों का गम हुई तथा पिछले वर्ष की अनुकूल मुद्रास्फीति आधार के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों में कमी आई। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति

वर्ल्ड ब्रीफ

चार वामपंथी यूरोपीय समूह आतंकी घोषित
वासिगणन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रश्नाने ने गुरुवार को यूरोप के चार वामपंथी समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित किया। एक कदम लड़ाइदी कार्यकर्ता चाली किंवदं की हत्या के बाद वामपंथीयों के खिलाफ कार्रवाई के ट्रंप के आहाने के पश्चात उठाया गया है।

दिल्ली आएंगे बांगलादेश के एनएसए रहमान
नई दिल्ली। बांगलादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलु रहमान अगले बुधवार को दो विदेशीय सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। रहमान कोलबो सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने आ रहे हैं, जो हिंद महासागर के पांच तीर्तीय देशों का एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन है। भारत में दक्षा त्याक्षयुक्त हुम्हर रियाज हमीदुल्लाह ने कहा कि बांगलादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 19 नवंबर को दिल्ली आएंगे।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

बीबीसी ने राष्ट्रपति द्वंप से माफी मांगी
लंदन। ब्रिटिश ड्रॉकरिटिंग कंपनीरेशन (बीबीसी) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से छह जनवरी 2021 को दिए गए उनके भाषण के भ्रामक संपादन के लिए गुरुवार को माफी मांगी, लेकिन यह भी कहा कि वह इस दीली से पूरी तरह असहमत है कि भ्रामक संपादन के मुकुटमें की ठोस वजह है। बीबीसी के विपरीत सीमीर ठोस ने खुल्टा हास्त को व्यक्तिगत रूप से एक पत्र भेजकर खेद जताया है।

अंतरिक्ष में फंसे तीन यात्री सुरक्षित लौटे
बीजिंग। अंतरिक्ष में मलबे से यान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद फंसे थीं तीन की तीन यात्री शुक्रवार को सुरक्षित पृथ्वी पर आ रही हैं। अंतरिक्ष यात्री बेन डोग, चेन जियुहू और वान जी को लेकर शेनजीआउ-21 अंतरिक्ष यात्रा का रिटर्न कैप्स्युल उत्तरी थीन के मंगोलिया रायायत क्षेत्र में डोगांगेंग में उत्तरा। अंतरिक्ष यात्रियों को पांच नवबर को लौटाना था।

रूस में लड़ाकू विमान क्रैश, दो पायलट मृत
सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के कर्तिया गणराज्य के प्रियोनेज्जरी के जिले में प्रशिक्षण उड़ान के दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो पायलटों की मौत हो गई। विमान के दो पायलटों की मौत हो गई। विमान पर अपने लिए एक लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण दो पायलटों की मौत हो गई। विमान एक निर्धारित प्रशिक्षण उड़ान पर था।

बैंक धोखाधड़ी मामले में सिंगापुर का एक व्यक्ति दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने 32 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट एक होटल से सिंगापुर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली रुपये की ठारी की गई।

एजेंसी ने कहा कि एक राष्ट्राईपति ने जाती बिल प्रस्तुत करके साथ पत्र की रकम को हड्डप लिया, जिसमें एक हार्डवेर एंड एनर्जी प्राइवेट एफआईएल, इसके निदेशकों, अज्ञात लोक सेवकों और अन्य लोगों द्वारा 31.60 करोड़ रुपये की ठारी की गई।

एजेंसी ने कहा कि एक राष्ट्राईपति ने जाती बिल प्रस्तुत करके साथ पत्र की रकम को हड्डप लिया, जिसमें एक हार्डवेर एंड एनर्जी प्राइवेट एफआईएल और बोथरा की दो तैयार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली रुपये की ठारी की गई।

सीबीआई के अनुसार धोखाधड़ी का मामला पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की उस शिकायत के बाद सामने आया है, जिसमें

साइबर खतरे से निपटने को कई देशों के साथ भारत का अभ्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और मध्य एशियाई देशों ने साइबर खतरों का पता लगाने, उनसे निपटने और स्थिति के प्रबंधन के बारे में रणनीतिक साइबर कार्यकर्ता चाली किंवदं की हत्या के बाद वामपंथीयों के खिलाफ कार्रवाई के ट्रंप के आहाने के पश्चात उठाया गया है।

दिल्ली आएंगे बांगलादेश के एनएसए रहमान

नई दिल्ली। बांगलादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलु रहमान अगले बुधवार को दो विदेशीय सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। रहमान कोलबो सुरक्षा सलाहकार खलीलु रहमान अगले बुधवार को दो विदेशीय सुरक्षा परिषदों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सचिवों की भारत-मध्य एशियाई बैठक के द्वारे के तहत भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं में से एक के सफल समापन का प्रतीक है।

एक आधिकारिक वक्तव्य में शुक्रवार को यहां कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसरन का संवर्धित सुरक्षा एजेंसियों की वापसी करने के साथ मिलकर केंद्र के साथ यहां तीन दिन के राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में भाग लेने आ रहे हैं, जो हिंद महासागर के पांच तीर्तीय देशों का एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन है। भारत में दक्षा त्याक्षयुक्त हुम्हर रियाज हमीदुल्लाह ने कहा कि बांगलादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 19 नवंबर को दिल्ली आएंगे।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत पर गया था।

दुर्बई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुर्बई। दुर्बई धूमों आए केरल के एक किशोरों की एक इमारत की छत से गिरने के कारण गौरी हो गई। केरल के किंविकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुर्बई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तरीफे तेने एक बहुजीता इमारत की छत प

